REPORT ON ONE DAY NATIONAL SEMINAR ON "SHRIMADHAGAVDGEETA AND YOGA"

A one-day International/National Seminar on the theme **"Shrimadbhagavadgeeta and Yoga"** was successfully organized . The event was jointly conducted by the **Departments of Sanskrit and Physical Education** under the guidance of Principal **Dr. Rishipal** and the supervision of **Chaudhary Tejvir Singh**, Head of the Management Committee.

The seminar was graced by **Geeta Manishi Swami Gyananand Ji Maharaj**, who attended as the **Chief Guest and Keynote Speaker**. Coordinators **Dr. Vishambar Das** and **Dr. Brijendra Singh** coordinated the program effectively. The event commenced with **Saraswati Vandana** and **Deep Prajwalan**.

In his inaugural address, **Swami Gyananand Ji** highlighted the multi-dimensional relevance of the Bhagavad Gita in education, management, personal life, and society. He explained the principles of **Karma Yoga** and **Bhakti Yoga**, emphasizing discipline, values, and inner balance.

In the **first technical session**, speaker **Prof. Arvind Malik** (Kurukshetra University) discussed the connection between yoga, sports, meditation, and student well-being. **Dr. Devi Singh** (G.D. S.D. College, Chandigarh) elaborated on the five states of mind and the eight limbs of yoga.

Around **250 scholars and seekers** from **Haryana, Rajasthan, and Punjab** participated in the seminar. All guest speakers were honoured with souvenirs and saplings. The program concluded with **Shanti Path** and the **National Anthem**.

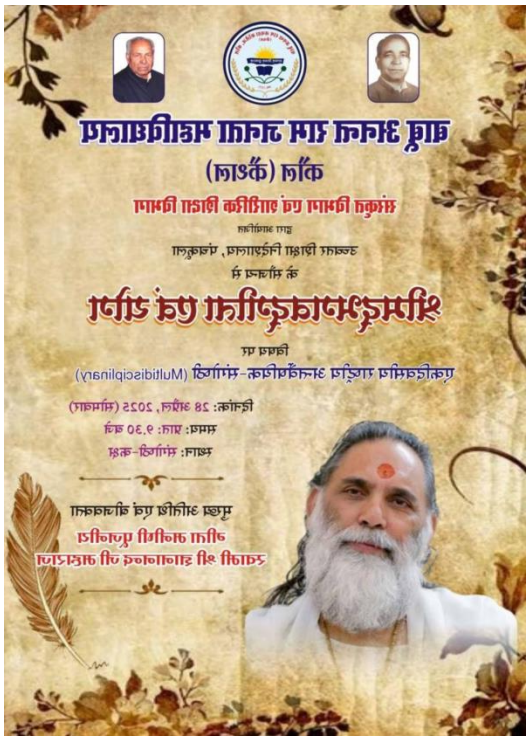

पंजाब केसरी WED,30 APRIL 2025
EDITION: KAITHAL KESARI, PAGE NO. 3

गीता के सिद्धांत हर क्षेत्र में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं: स्वामी ज्ञानानंद महाराज

श्रीमद् भगवद् गीता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्वामी ज्ञानानंद महाराज तथा संगोष्ठी में उपस्थित अतिथिगण एवं छात्र-छात्राएं।

कौल, 29 अप्रैल (बलवान): बाबू अनंत राम जनता कालेज कौल में उच्चतर शिक्षा निदेशालय के सौजन्य से श्रीमद् भगवद् गीता एवं योग विषय पर एकदिवसीय अन्तर्वैषयिकी राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यातिथि के तौर पर अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने शिरकत की।

प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल के मार्गदर्शन में संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रबंधन समिति के प्रधान चौधरी तेजवीर सिंह ने की। संगोष्ठी का शुभारंभ स्व. ईश्वर सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर मां सरस्वती वंदना एवं दीप प्रबोधन द्वारा किया गया।

मुख्यातिथि स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने उपस्थित श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि श्रीमद् भगवद् गीता का प्रत्येक क्षेत्र में विशेष महत्व है। चाहे वह शिक्षा हो, व्यवसाय हो, प्रबंधन हो या व्यक्तिगत जीवन। गीता के सिद्धांत हर क्षेत्र में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। जीवन में मूल्य व आदर्शों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

ये न केवल एक व्यक्ति के चरित्र का निर्माण करते हैं, बल्कि समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं।

उन्होंने गीता के कर्मयोग को समझाते हुए कहा कि वर्तमान में जीते हुए अपने कर्म करना ही असली कर्म सूत्र है। उन्होंने गीता के कर्मयोग और भक्ति योग के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम के अंत में प्रबंधन समिति के प्रधान तेजवीर सिंह ने स्वामी ज्ञानानंद महाराज को वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

प्रथम तकनीकी सत्र के बीजवक्ता प्रो. अरविंद मलिक शारीरिक शिक्षा विभाग कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र ने छात्र-छात्राओं को बताया कि विद्यार्थी जितना विद्या में ध्यान लगाएंगे, उतना ही उनका ध्यान खेलों की तरफ भी बढ़ेगा।

मुख्य वक्ता डॉ. देवी सिंह सहायक आचार्य गणेश दत्त सनातन धर्म महाविद्यालय चंडीगढ़ ने कहा कि योग के प्रथम अध्याय में चित्त की 5 अवस्थाओं तथा योग के 8 अंगों का विस्तृत वर्णन किया गया है। जो मानव जीवन को संतुलित व उन्नत बनाने में सहायक हैं।

विशिष्ट वक्ता के रूप में पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला से पधारे प्रो. वीरेंद्र कुमार विभागाध्यक्ष संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग ने बताया कि गीता समस्त विश्व के लिए प्रेरणादायी ग्रंथ है जो प्रत्येक काल व परिस्थिति में उपयोगी सिद्ध होता है।